Dainik Bhaskar Edition Delhi
6.2.2017 Page 5
Height 10.57cm Width 8.76 cm

अंगूठा लगवा कर आधार कार्ड से खोजा रोगी का नाम व पता

केसरीसिंहपुर | श्रीगंगानगर

चार साल से लापता भाई को मिलकर भाई एवं भतीजे की आंखें भर आई। ये आंसू खुशी के थे। परिजन बैजनाथ के मिलने की उम्मीद छोड़ चुके थे। अब संयोग ही मानें कि 22 फरवरी को उसकी बेटी की शादी है। महाराष्ट्र से चार साल पहले लापता हुआ बैजनाथ 15 साल से मानसिक रोगी है। पर अपनी मां, पत्नी, पुत्र, पुत्री, भाई, भतीजों की फोटो पहचानता है।

डेरा प्रेमी राजेंद्र शर्मा को गांव मोहल्ला में 30 जनवरी को मानसिक दिव्यांग यह व्यक्ति बदहाल हालात में मिला था। राजेंद्र शर्मा उसे अपने साथ ले आया। उसके बाद ई-मित्र पर उसके अंगूठे लगवाकर पहचान करवाई गई। काफी मशक्कत के बाद उसका पता मिला। वह आवलगांव, जिला परभनी महाराष्ट्र के बैजनाथ धोडिम्बे केदारे का पाया गया। इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी। आधार कार्ड से ही उसके भाई शिवाजी धोडिंबे केदारे का मोबाइल नंबर मिला। उनसे बात की। छोटा भाई शिवाजी और भतीजा नागशेन रविवार सुबह यहां पहुंचे। पंचायती मंदिर में डेरा की मासिक नाम चर्चा में स्थानीय पालिकाध्यक्ष कालूराम बाजीगर और एएसआई भूरा राम की मौजूदगी में उन्हें उसे सौंप दिया।

अंतिम 3 अंक बदलने से मिला

केसरीसिंहपुर ई-मित्र पर आधार कार्ड सर्च करने के लिए उसका अंगूठा लगवाया। अंतिम तीन अंक लगातार बदले गए। 3 घंटे के प्रयास में पिनकोड डाला तब आधार कार्ड दिखाया।